विद्यालङ्कार(B.A. Sanskrit Hons.)
संस्कृत विषय के लिये विस्तृत पाठ्यक्रम
Detail of the Core Course for Sanskrit
सत्र-तृतीय Semester 3

आधारभूत पत्र (Core paper)	**लौकिक संस्कृत साहित्य (नाटक)**	**पूर्णाङ्क -100**
		सत्रान्त परीक्षा -70
Paper HSA – C311	**Classical Sanskrit Literature (Drama)**	**आन्तरिक परीक्षा-30**
		सकल-अर्जिताधिभार 06

प्रस्तावित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

खण्ड-क (Section – A) महाकवि भास-स्वप्नवासवदत्तम् (नाटक) अंक : 1, 6
खण्ड-ख (Section– B) महाकवि कालिदास – अभिज्ञानशाकुन्तलम् (नाटक) अंक : 1,4
खण्ड-ग (Section – C) कृष्ण मिश्र-प्रबोधचन्द्रोदय (नाटक), अंक-4, 5
खण्ड-घ (Section –D) संस्कृत नाटक और समालोचनात्मक- अध्ययन

पाठ्यक्रम का उद्देश्य-

इस पाठ्यक्रम का ध्येय छात्रों को संस्कृत के प्रमुख नाट्य साहित्य से अवगत कराना है जो कि संस्कृत नाट्य के विकास के तीन कालों का प्रतिनिधित्व करता है।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम-

1. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्र विभिन्न काल खण्डों में निर्मित संस्कृत नाट्य साहित्य से परिचित हो पायेंगे।
2. अभिनय आदि की नाट्यकलाओं में भी योग्यता अभिरुचि के अनुसार प्राप्त करने में सक्षम होंगे।

घटकानुरूप विभाजन (Unit-Wise Division)

खण्ड- क (Section – A)

महाकविभास-स्वप्नवासवदत्तम् (नाटकम्) अंक : 1,6

घटक (Unit) –1 स्वप्नवासवदत्तम्नाटक -1 और **6अंक**की विषय-वस्तु, अनुवाद और व्याख्या।

घटक (Unit)–2 स्वप्नवासवदत्तम् मेंभास की शैली की विलक्षणता, चरित्र-चित्रण,1और 6अंक का महत्त्व, समाज, विवाह के मानदण्ड, कहानी क ा महत्त्व एवं विशेषताएँ, भासो हास: का विवेचन।

खण्ड- ख (Section – B)

महाकवि कालिदास– अभिज्ञानशाकुन्तलम्(नाटकम्) अंक : 1,4

घटक (Unit) –1(क)अभिज्ञानशाकुन्तलम्- लेखक-परिचय, काल-निर्धारण तथा प्रथम अंक की विषय-वस्तु- व्याकरणात्मक-विश्लेषण, अनुवाद एवं स्पष्टीकरण –व्याख्या, पारिभाषिक-विश्लेषण- यथा-नान्दी,प्रस्तावना, सूत्रधार,नटी,विष्कम्भक,विदूषक,कञ्चुकी।

(ख)कवि की काव्यात्मक विशिष्टता, कथानकीय- योजना, प्रकृति का मानवीकरण, भाषाशैली, उपमा कालिदास में ध्वनि तथा महाकवि कालिदास और अभिज्ञानशाकुन्तलम् की लोकप्रियता

घटक (Unit) –2चतुर्थ अंक की विषय- वस्तु -(व्याकरणात्मक-विश्लेषण, अनुवाद एवं स्पष्टीकरण-व्याख्या), कवि की काव्यात्मक विशिष्टता तथा कथानकीय-योजना।

खण्ड-ग (Section – C)

कृष्ण मिश्र- प्रबोधचन्द्रोदय (नाटक), अंक-4, 5

घटक (Unit) –1(क) प्रबोधचन्द्रोदयके लेखक का परिचय, काल- निर्धारण तथा नाटक की विषय-वस्तु।

(ख) चतुर्थ अंक का व्याकरणात्मक-विश्लेषण,अनुवाद एवं स्पष्टीकरण-व्याख्या, कवि की काव्यात्मक विशिष्टता, कथानकीय-योजना।

घटक (Unit) –2 पञ्चम अंकका व्याकरणात्मक-विश्लेषण, अनुवाद एवं स्पष्टीकरण-व्याख्या, कवि की काव्यात्मक विशिष्टता, कथानकीय-योजना।

खण्ड-घ(Section –D

संस्कृत नाटक औरसमालोचनात्मक- अध्ययन

घटक (Unit) –1 (क) संस्कृत नाटक :उत्पत्ति, विकास एवंस्वरूप

(ख) प्रमुख नाटक और नाटककार एवं उनका कर्तृत्व - भास, कालिदास, शूद्रक, विशाखदत्त, श्रीहर्ष,भवभूति और भट्टनारायण के विशेष सन्दर्भ में।

संस्तुत ग्रन्थ

1. सुबोधचन्द्र पन्त, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
2. सुरेन्द्रदेव शास्त्री, रामनारायण बेनीप्रसाद, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, इलाहाबाद
3. नारायणराम आचार्य, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, निर्णयसागर प्रेस
4.C.R.Devadhar(Ed.), Abhijñanashakuntalam,MLBD, Delhi.
5.M.R. Kale(Ed.), Abhijñanashakuntalam,MLBD, Delhi.
6. Gajendra Gadakar(Ed.), Bose, Ramendramohan, Abhijñanashakuntalam, Modern Book Agency, 10 College, Square, Calcutta.
7. जयपाल विद्यालङ्कार, स्वप्नवासवदत्तम्, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
8.M.R. Kale(Ed.), Svapnavasavadattam,M.L.B.D., Delhi.
9. **कृष्ण मिश्र- प्रबोधचन्द्रोदय,**चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी
10. रमाशंकर तिवारी, महाकवि कालिदास
11. भगवतशरणउपाध्याय, कालिदास, कवि और काव्य, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी.
12. हजारीप्रसाद द्विवेदी, कालिदास की लालित्य योजना,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
13. पंकज कुमार, मिश्र शाकुन्तलविषयक रम्यत्व की अवधारणा,परमलपब्लिकेशन, दिल्ली
14. Minakshi Dalal, Conflict in Sanskrit Drama, Somaiya Publication Pvt. Ltd.
15. Ratnamayi Dikshit, Women in Sanskrit Dramas, Meherchand Lachhman Das, Delhi.
16. A.B. Keith, Sanskrit Drama, Oxford University Press London, 1970.
17. Minakshi Dalal, Conflict in Sanskrit Drama, Somaiya Publication Pvt. Ltd.
18. G. K. Bhat, Sanskrit Drama, Karnataka University Press, Dharwar 1975
19. Henry W. Wells, Six Sanskrit Plays, Asia Publishing House, Bombay

Note: Teachers are also free to recommend any relevant books/articles/e-resource if needed.